# महादेई वन्यजीव अभयारण्य

**स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स**

हाल ही में **गोवा के** महादेई वन्यजीव अभयारण्य (WLS) में वर्ष 2020 के बाद पहली बार एक **वयस्क बाघिन** और **तीन शावकों** को देखा गया।

## अवस्थिति और भूगोल:

- WLS उत्तरी गोवा और बेलगावी के बीच स्थित **चोरला घाट** के पास स्थित है। इसकी सीमा महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों से लगती है।
- **इस अभयारण्य से होकर महादेई नदी बहती है।**

## पारिस्थितिकी महत्त्व:

- गोवा में मोलेम राष्ट्रीय उद्यान जैसे अन्य संरक्षित क्षेत्रों के साथ-साथ महादेई WLSपश्चिमी घाट का हिस्सा है। यह क्षेत्र **विश्व की सबसे बड़ी बाघ आबादी** की मेज़बानी के लिये विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है।
- यह अभयारण्य वन्यजीव गलियारों के नेटवर्क में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है जो **सह्याद्री टाइगर रिज़र्व** (महाराष्ट्र) और काली टाइगर रिज़र्व (कर्नाटक) में बाघों की आबादी को जोड़ता है।

## अद्वितीय वनस्पति और जंतु:

- विशेष रूप से, महादेई WLS में वज़्रा फॉल्स **गंभीर रूप से लुप्तप्राय** लंबी-चोंच वाले गिद्धों के लिये घोंसले के रूप में कार्य करता है, जो पक्षी संरक्षण के लिये अभयारण्य के महत्त्व को रेखांकित करता है।

## संरक्षण स्थिति और सिफारिशें:

- गोवा **भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है, जिसके पश्चिमी घाट का संपूर्ण भाग राज्य संरक्षण में है,** तथा महादेई WLS इस क्षेत्र का एक महत्त्वपूर्ण भाग है।
- इससे पहले, राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (National Tiger Conservation Authority- NTCA) ने इस अद्वितीय क्षेत्र में बाघों की आबादी के **संरक्षण प्रयासों को बढ़ाने** के लिये वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत महादेई WLS को टाइगर रिज़र्व के रूप में नामित करने की सिफारिश की थी।

//

और पढ़ें: [महादेई वन्यजीव अभयारण्य]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/mhadei-wildlife-sanctuary-1